ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–२८
दिनांक- मंगलवार, ११ अप्रैल, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.6 एवं 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 67 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 22 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 22.3 एवं दोपहर में 37.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(12 से 16 अप्रैल, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12 से 16 अप्रैल, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते है। हलाकि मौसम के शुष्क बने रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में तापमान ३–४ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है जिसके चलते यह तापमान 40–41 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुँच सकता है। जिसके कारण लू (प्रचंड उष्ण एवं शुष्क हवा) की स्थिति बन सकती है। जबकि न्यूनतम तापमान 21–24 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- अत्यधिक तापमान के कारण वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया में तेजी आ सकती है जिससे खड़ी फसलो में पानी की मांग बढ़ सकती है। अतः किसान भाई खेत की नमी की निगरानी करें तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार सिचाई करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई अविलंब संपन्न करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75X75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेषियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- अत्यधिक तापमान के कारण आम एवं लीची के फलों के झरने की संभावना बनती है। इसके बचाव के लिए प्लेनोफिक्स दवा का 1 मि0ली0 प्रति 3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इससे फलों के झरने से रोकने में सहायक होगा। साथ ही इमीडाक्लोरोप्रिड नामक कीटनाशी दवा का 1 मि0ली0 प्रति 1 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से फलों को चुसक कीटों से बचाया जा सकता है।
- हवा में नमी की मात्रा अत्यधिक कमी के कारण फलों के विकास पर प्रतिकुल प्रभाव पर सकता है। ऐसे अवस्था में बागों में नमी बनाये रखने का प्रयास करें।
- प्याज फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। थ्रिप्स प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक–थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- भिण्डी की फसल में लीफ हॉपर कीट की निगरानी करे। यह कीट दिखने में सूक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है, जिससे फलन प्रभावित होती है। इसका प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। सब्जियों में कीट एवं रोग–व्याधि की निगरानी प्राथमिकता से करते रहें। कीट का प्रकोप इन फसलों में दिखने पर मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1 मि0 ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 13.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)